म्हारा हरियाणा , सक्षम हरियाणा

CREATIVE ANDCRITICAL THINKING

REFERENCE & PRACTICE

MATERIAL

Hindi, Class-9

(रसखान के सवैये व कैदी और कोकिला कविता आधारित)

TESTING AND ASSESSMENT WING

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

GURUGRAM (HARYANA)

प्रतिमान -1 (रसखान के सवैये - आधारित)

धूरि भरे अति सोहत स्याम जू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।

खेलत खात फिरैं अँगना, पग पैंजनी बाजति, पीरी कछोटी॥

वा छबि को रसखान बिलोकत, वारत काम कला निधि कोटी।

काग के भाग बड़े सजनी, हरि हाथ सों लै गयो माखन रोटी॥

1. उपर्युक्त सवैया में कृष्ण सौन्दर्य की कोई एक विशेषता लिखिए ।

2 . कवि ने काग को भाग्यशाली क्यों कहा है ?

3. 'वारत काम कला निधि कोटी' से कवि का क्या आशय है ?

4. पग पैंजनी बाजति, पीरीक छोटी - पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार छांटिए ।

5 यदि किसी वर्गाकार आँगन का क्षेत्रफल 2500 वर्ग फुट हो तो उसका परिमाप क्या होगा ?

-श्रीमती मंजू रानी, प्रवक्ता, रा० उ० वि० रसोई,राई,सोनीपत

प्रतिमान -2 (रसखान के सवैये आधारित)

भाद्रपद का महीना आकाश घिरी कालीघटाओं, घनघोर बिजली की गर्जन एवं मूसलाधार बारिश के लिए जाना जाता है। इस महीने की रातें बेहद काली और भयंकर होती हैं। आकाश काली घटाओं से घिरा रहता है जिससे दिन में भी रात का आभास होता है। भादों के महीने में मुरली मनोहर श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। जब जब धरती पर पाप और अत्याचार बढ़ जाते हैं तब तब उन की समाप्ति के लिए प्रभु को अवतार धारण करना पड़ता है। मथुरा में कंस के अत्याचारों के कारण जनमानस में त्राहि त्राहि मची हुई थी। अंधकार भरे युग में श्री कृष्ण का अवतार आकाश में दैदीप्यमा न नक्षत्र की भांति हुआ जिसकी अलौकिक आभा और शक्ति ने जनता को कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिलाकर सत्य और धर्म की राह दिखाई। श्री कृष्ण ने धर्म और अन्याय के विरुद्ध महाभारत के युद्ध में पांडवों का साथ दिया। अर्जुन के सारथी के रूप में सत्य, धर्म और न्याय का पक्ष लेते हुए पांडुओं की विजय का मार्ग प्रशस्त किया। श्री कृष्ण द्वारा कुरूक्षेत्र के मैदान में दिया गया- गीता का संदेश अर्जुन को मोह के संबंधों से परे कर्मशील रहने की प्रेरणा देता है। अर्जुन के गिरते मनोबल कांपते हाथ अश्रु सिक्त आंखों को देखकर श्री कृष्ण युद्ध भूमि में अर्जुन को गीता का उपदेश देते हैं कि- हे पार्थ धर्म और सत्य के पक्षधर बनो। मोह के धागों को छोड़कर युद्ध करो। क्योंकि युद्ध करना ही तुम्हारा कर्तव्य है। युद्ध भूमि में श्री कृष्ण अलौकिक और सर्वव्यापी रूप से भी अर्जुन का परिचय कराते हैं और कहते हैं कि - सब मुझसे ही जन्म लेते हैं और मेरे भीतर ही विलीन हो जाते हैं। तुम व्यर्थ की चिंता छोड़ दो।

प्रश्न 1. गीता का ज्ञान किस का पक्षधर है ?

प्रश्न 2. युद्धभूमि में अर्जुन द्वारा गांडीव रख देने के पीछे प्रमुख कारण क्या था ?

प्रश्न 3. युद्ध भूमि में श्री कृष्ण अर्जुन को क्या कहकर संबोधित करते हैं -

(क) धनंजय (ख)अर्जुन (ग)पार्थ (घ) धनुषधारी

प्रश्न 4 . राजा और प्रजा के मध्य कैसा संबंध होना चाहिए ?

प्रश्न 5. यदिकिसी युद्ध में 18000 सैनिकों ने भाग लिया जिसमें 5000 घुड़सवार,2000 हाथी,500 रथ शामिल थे । तो पैदल सैनिकों की संख्या का % क्या था ?

-सुशील कुमारी प्रवक्ता, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कथूरा (सोनीपत)

प्रतिमान -3 (रसखान के सवैये-आधारित)

जिस की रज में लोट-लोटकर बड़े हुए हैं,
घुटनों के बल सरक-सरक पर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए,
हम खेले- कूदे हर्षयुत जिसकी प्यारी गोद में
हे मातृभूमि! तुझको निरख मगन क्यों न हो मोद में?
पाकर तुझको सभी सुखों को हमने भोगा
तेरा प्रत्युपकार कभी क्या हमसे होगा?
तेरी ही यह देह तुझी से बनी हुई है,
बस तेरी ही सुरस-सार से सनी हुई है,
फिर अंत समय तू ही अचल देख अपनाएगी।
हे मातृभूमि ! यह अंत में तुझमें ही मिल जाएगी।

प्रश्न 1 इस कविता में किसके प्रति प्रेम अभिव्यक्ति हुई है ?
प्रश्न 2 फिर अंत समय तू ही अचल देख अपनाएगी- से क्या अभिप्राय: है ?
प्रश्न 3 'प्रत्युपकार' - उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए
प्रश्न 4 'परमहंस सम बाल्यकाल' पंक्ति में कौनसा अलंकार है|
क यंमक ख अनुप्रास ग श्लेष घ उपमा
प्रश्न 5 उपर्युक्त काव्यांश के रचनाकार राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का जन्म 3 अगस्त 1886 को हुआ| उस दिन कौन-सा वार था ?

–सुमन, बी0 आर0 पी0 हिन्दी गोहाना ब्लॉक

प्रतिमान -4 (कैदी और कोकिला कविता पर आधारित)

छोड़ो मत अपनी आन ,
शीश कट जाए ।
मत झुको अनय पर ,
भले व्योम फट जाए।
दो बार नहीं ,
यमराज कंठ धरता है।
मरता है जो,
एक बार ही मरता है।
तुम स्वयं मरण के मुख पर,
वीर अपने चरण धरो रे,
जीना है तो मरने से नही डरो रे ।

प्रश्न 1 वीर अपना चरण किस के मुख पर रखकर चलते हैं?
प्रश्न 2 व्योम फटना' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न 3 कवि किसका आह्वान कर रहा है ?
प्रश्न 4 मरण मे भी जीवन का आनंद लिया जा सकता है, कैसे ?
प्रश्न 5 उपर्युक्त पंक्तियों की रचना कवि दिनकर ने सन 1963 में की इसके प्रकाशन वर्ष की अर्ध-शताब्दी वर्ष कौन-सा था?

- डॉ. वंदना दुबे प्रवक्ता, रा०व०मा०वि० गुरूग्राम गाँव

प्रतिमान -5 (कैदी और कोकिला कविता पर आधारित)

यह जागृति तेरी तू ले-ले,
मुझको मेरा दे-दे सपना,
तेरे शीतल सिंहासन से
सुखकर सौ युग ज्वाला तपना।

सूली का पथ ही सीखा हूँ,
सुविधा सदा बचाता आया,
मैं बलि-पथ का अंगारा हूँ,
जीवन-ज्वाल जलाता आया।

एक फूंक, मेरा अभिमान है,
फूँक चला जिससे नभ जल थल,
मैं तो हूँ बलि-धारा-पन्थी,
फेंक चुका कब का गंगाजल।

1. कवि जागृति की अपेक्षा सपने को वरीयता क्यों देता है?
2. कवि सदैव सुख सुविधाओं से दूर क्यों रहा है ?
3. कवि के लिए गंगाजल महत्वहीन क्यों है ?
4. ' जीवन-ज्वाल ' में अलंकार है -
   क) अनुप्रास, ख) रूपक , ग) यमक घ) अन्योक्ति
5. यदि ज्योतिष ग्रन्थों की मान्यता अनुसार चार युगों का चक्र 5000 वर्ष में पूरा होता है तो प्रत्येक युग का औसत काल कितना होगा ?

- श्रीमती मंजू रानी, प्रवक्ता, रा० उ० वि० रसोई, राई, सोनीपत

प्रतिमान -6 (कैदी और कोकिला कविता पर आधारित)

पीपल की ऊंची डाली पर बैठी चिड़िया गाती है.
तुम्हें ज्ञात अपनी बोली में क्या संदेश सुनाती है?
चिड़िया बैठी प्रेम- प्रीति की रीति हमें सिखलाती है।
वह जग के बंदी मानव को मुक्ति- मंत्र बतलाती है।
वन में जितने पंछी हैं खंजन, कपोत ,चातक, कोकिल
काक, हंस ,शक आदि वास करते सब आपस में हिलमिल।
जो मिलता है अपने श्रम से उतना भर ले लेते हैं।
बच जाता है तो औरों के हित उसे छोड़ वे देते हैं।
वे कहते हैं -मानव ,सीखे तुम हमसे जीना जग में ,
हम स्वच्छंद और क्यों तुमने डाली है बेड़ी पग में?
तुम देखो हमको ,फिर अपनी सोने की कड़ियाँ तोड़ो ,
ओ मानव, तुम मानवता से द्रोह भावना को छोड़ो।।

1 चिड़िया हमें क्या सिखाती है?

2 'प्रेम -प्रीति की रीति हमें सिखलाती है '- पंक्ति में कौनसा अलंकार है -

i) रूपक ii) उत्प्रेक्षा iii) अनुप्रास iv) उपमा

3 खंजन, कपोत ,चातक, कोकिल, काक, हंस, शुक किस श्रेणी में आते हैं।

i) पशु ii) पक्षी iii) दोनों iv)कोई नहीं

4. पक्षी मनुष्य को क्या सन्देश दे रहे हैं ?

5 . यदि एक सोने की कड़ा बनाने में सोने और तांबे का अनुपात 10 :1 है तो 22 सोने की कड़े बनाने में सोना और तांबा कितने ग्राम होगा, यदि कड़े का वजन 2 तोले हो ।

- **सुश्री ज्योति ,प्राध्यापिका हिंदी रा. व. मां. वि. इस्माइलपुर अंबाला खंड -1**

प्रतिमान -7 (कैदी और कोकिला कविता पर आधारित)

अंग्रेजों ने भारत पर लगभग 200 वर्षों तक राज किया। 1757 से ही भारतीयों और अंग्रेजों के बीच संघर्ष का उल्लेख मिलता है। अंग्रेज भारतीयों को आपस में लड़ा कर राज करना चाहते थे। प्लासी के युद्ध में उन्होंने ऐसा ही किया, जिसमें वे सफल भी रहे। प्रारंभ से ही अंग्रेजों के मन में खोट था। वे सिर्फ अपना ही फायदा सोचते थे। इसी कारण वे यहां की जनता के दिल में अपना स्थान नहीं बना पाए। जगह-जगह विरोध शुरू हो गए। 1857 तक आते-आते इन विरोधों ने एक क्रांति का रूप ले लिया। मंगल पांडे ने सर्वप्रथम आवाज उठाई। अंग्रेजों ने मंगल पांडे को फांसी की सजा दे दी। लेकिन मंगल पांडे द्वारा लगाई आजादी की चिंगारी बुझी नहीं बल्कि पूरे भारत में फैल गई। हिंदू, मुसलमान, सिख सभी भारतवासियों ने इस लड़ाई में सक्रिय भागीदारी की और ब्रिटिश सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। भारतीय स्वाधीनता सेनानियों के साथ अंग्रेजों ने अत्याचार करने प्रारंभ कर दिये, उन्हें तरह तरह से यातनाएं दी जाने लगी। अंग्रेजों के जुल्मो ने देशवासियों को काले अंधकार में धकेल दिया। काला पानी जो अंडमान में स्थित है, इसका एक जीता -जागता उदाहरण है। यहां देशभक्तों से जानवरों की तरह काम करवाते थे और उन्हें भूखा रखते थे और कोड़े मारते थे। लेकिन देशभक्त कभी रुके नहीं,उन्होंने अपनी मातृभूमि को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।हम सलाम करते हैं उन वीरों और जवानों को ,जिन्होंने कभी अपने परिवार और खुद को प्राथमिकता न देकर देश के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी। नमन है उन वीरों को, जिन्होंने हंसते-हंसते अपने प्राणों की बलि दे दी और यह भी न सोचा कि उनके परिवारों का क्या होगा? चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव जैसे वीरों ने खुलकर आजादी के गीत गाए और मातृभूमि के लिए अपने प्राणों का समर्पण किया ताकि हम खुश रहें आजाद रहें। आजादी के लिए स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानी भारत के इतिहास में बहुत बड़ा महत्व रखती है। गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें-

प्रश्न 1. अंग्रेजों ने भारत में कितने वर्षों तक राज किया?

(अ) लगभग 100 वर्षों तक (ब) लगभग 200 वर्षों तक

(स) लगभग 300 वर्षों तक (द) लगभग 400 वर्षों तक

प्रश्न 2. अंग्रेजों का भारत में शासन का आधार क्या था?

(अ) जनता में लोकप्रियता (ब) फूट डालो और राज करो की नीति

(स) भारत का विकास (द) सभी

प्रश्न 3. विक्रमी संवत 57 ई० पू० चलाया गया था और अब 2077 विक्रमी संवत चल रहा है। प्रथम विद्रोह सन 1857 को हुआ था। तो बताओ यह विद्रोह विक्रमी संवत के अनुसार किस वर्ष हुआ था?

प्रश्न 4. अंग्रेजी साम्राज्य में स्थानीय राजा अपने खर्चे पर अंग्रेजी-सेना रखता था। यदि राजा एक सैनिक पर रोजाना 24 रुपए खर्च करता हो तो बताओ एक पूरे लीप वर्ष एक सैनिक पर कुल कितना खर्च होता होगा?

प्रश्न 5. अंग्रेजों के जुल्मो ने देशवासियों को काले अंधकार की ओर धकेल दिया, कैसे?

- **श्री ओम प्रकाश प्रवक्ता , रा०व०मा०वि० मीठी सुरेरां ब्लाक ऐलनाबाद, सिरसा**

प्रतिमान -8 (कैदी और कोकिला कविता पर आधारित)

पराधीनता का दुख ऐसा पक्षी भी व्याकुल हो जाते
अंधियारी काली रातों में विरह के गीत वो गाते
देश हो गुलाम अगर तो सपने में सुख नहीं
मनुष्य तो क्या पशु-पक्षी भी खुद में मस्त नहीं
कारागार में बंद कवि की बेचैनी कोयल ही समझे
तभी तो कवि में उत्साह भरना वो अपना कर्तव्य समझे
विद्रोह का स्वर बनकर कोयल कारागार में आई
कवि के मन में छुपी दुविधा, होठों तक हो आई
घर तेरा सुंदर नील गगन, कवि दस फीट अंदर बंद है
तू उड़ती डाली- डाली, मेरे भावों पर भी प्रतिबंध है
निरुत्साहित नहीं हूं फिर भी आजादी की लगन है
शब्द बनेंगे मेरे क्रांति, छिपी जिनमें अगन है
पीड़ा वेदना कितनी मिले, धरती को सदा नमन है
अकड़ करूं ब्रिटिश की ढीली, शासन का करना दमन है
तू क्या चाहे कोयल , मैं भाव तेरा समझ गया
बन कवि लिखूं कविता , विद्रोह का इशारा समझ गया
बन जाए स्वर मेरे क्रांति , हर तरफ दावानल भड़का देगें
चाहे जितना करो अत्याचार , तम का शासन मिटा देंगे

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रश्न-1 काव्य पंक्तियों में कवि को बैचेन क्यों कहा गया है ?

प्रश्न-2 क्या पक्षियों को पिंजरबद्ध देख कर आपको कैसा अनुभव होता है ?

प्रश्न- 3 दावानल शब्द का अर्थ बताइए-

(क) समंदर की आग (ख) भूख की आग

(ग) जंगल की आग (घ) विद्रोह की आग

प्रश्न -4 यदि किसी कक्षा कक्ष की एक दीवार का माप 10x12 फुट है तो चरों दीवारों का क्षेत्रफल क्या होगा ?

प्रश्न-5 कोयल की कवि से क्या अपेक्षा है ?

- नीलम वत्स प्रवक्ता, रा.क. व. मा. वि. भैंसवाल कलां गोहाना, सोनीपत

प्रतिमान -9 (अंगदान शिविर सम्बन्धी)

1. दधीचि प्राचीन काल के एक महान _____ थे ?

   क. ऋषि

   ख. डॉक्टर

   ग. वैज्ञानिक

   घ. राजा

2. उपर्युक्त विज्ञापन के अनुसार अंगदान संकल्प महोत्सव दिनांक 11 अगस्त 2019 में मनाया गया था, यदि यही अंगदान संकल्प महोत्सव वर्ष 2021 में भी 11 अगस्त को ही प्रस्तावित हो तो वार कौन सा होगा ?
3. लोग अंगदान नहीं कर पाते क्योंकि -
   i. मेडिकल सुविधा के अभाव के कारण
   ii. जागरूकता न होने के कारण
   iii. उचित राशि न मिलने के कारण
   iv. पुरानी मान्यताओं के कारण

   क. केवल i ख. i तथा ii ग. i, ii तथा iii घ. i, ii तथा iv
4. नीचे दिये चित्र अनुसार, कितने प्रतिशत लोगों का गुर्दा तथा लिवर प्रतिरोपण् हो पाया ? दोनों का लग-अलग प्रतिशत बताएं।

5. अंगदान पर एक दो पंक्तियों का स्लोगन/नारा लिखें।

- **चेतना जठोल बी0 आर0 पी0 हिन्दी मातनहेल ब्लाक**

<u>उत्तरमाला:</u>

प्रतिमान -1

उत्तर -1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-4 अनुप्रास

उत्तर-5 200 फुट

प्रतिमान -2

उत्तर -1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-3 पार्थ

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-5- 58.33 प्रतिशत

प्रतिमान -3

उत्तर -1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-3 प्रति+उपकार

उत्तर-4 उपमा

उत्तर-5 मंगलवार

प्रतिमान -4

उत्तर -1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-2 मुसीबतें आना

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-5 2013

प्रतिमान -5

उत्तर -1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-4 रूपक

उत्तर-5 1225 वर्ष

प्रतिमान -6

उत्तर -1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-2 अनुप्रास

उत्तर-3 पक्षी

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-5 440 ग्राम

प्रतिमान -7

उत्तर -1 200 वर्ष

उत्तर-2 फूट डालो और राज करो की नीति

उत्तर-3 1914

उत्तर-4 8784 रु

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

प्रतिमान -8

उत्तर -1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर-3 जंगल में लगी आग

उत्तर-4 480 वर्ग फुट

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।

प्रतिमान -9

उत्तर -1 ऋषि

उत्तर-2 बुधवार

उत्तर-3 i, ii तथा iv

उत्तर-4 3.3 और 1.4 प्रतिशत

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे।